अनुसंधान परिषद की 56वीं बैठक की कार्यवृत
(8वीं दिसम्बर, 2020; केरेउअवप्रसं-बहरमपुर, पश्चिम बंगाल)

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर की अनुसंधान परिषद की 56वीं बैठक दिनांक 8वीं दिसम्बर, 2020 को संस्थान के निदेशक महोदय, डॉ. वी. शिवप्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई है।

प्रारंभ में, डॉ. दीपेश पंडित, वैज्ञानिक-डी (पीएमसीई) द्वारा बैठक में उपस्थित अनुसंधान परिषद की अध्यक्ष समेत सभी वैज्ञानिकों व अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया गया है।

उपस्थित सदस्यों की सूची अनुलग्नक-I में संलग्न है।

मद सं. 1: केरेउअवप्रसं, बहरमपुर में दिनांक 3वीं सितम्बर, 2020 को आयोजित अनुसंधान परिषद की 55वीं बैठक की कार्यवृत की पुष्टि।

अतः किसी भी सदस्य से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं मिलने की स्थिति में कार्यवृत्त को पुष्ट माना गया है।

मद सं. 2: दिनांक 3वीं सितम्बर, 2020 को आयोजित अनुसंधान परिषद [आरसी] की 55वीं बैठक में लिए गए सुझाव / निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई रिपोर्ट की समीक्षा।

परियोजना की अवधारणा शीर्षक "थ्रिप्स एवं सादा मक्खी के प्रतिरोध के लिए मोरास म्यूटेंट के विकास" के पीआई को केन्द्रीय कार्यालय की मंजूरी के लिए दिनांक 21.12.2020 को या उससे पहले पीएमसीई (केरेउअवप्रसं-बहरमपुर) को पूर्ण अवधारणा नोट प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी।

रेफरी द्वारा सिफारिश की गई परियोजना प्रस्ताव शीर्षक "नए पहचाने गए शहतूत जीनोटाइप के अंतिम उपज परीक्षण" के पीआई को आवश्यक स्वीकृति के लिए 52 वीं आरएसी में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी।

[कार्रवाई: श्री. याल्लाप्पा एच., वैज्ञानिक-बी, एमबीजी]

अवधारणा नोट (केरेबों/बरहमपुर/आरसीएन 017) के संबंध में: "पूर्वी और उत्तर-पूर्व भारत में उत्पादकता में सुधार के लिए एक पुरुष घटक के रूप में बेहतर द्विप्रज फ़ाउंडेशन क्रस की पहचान," के स्थिति की जाँच पीएमसीई द्वारा की जा सकती है।

[कार्रवाईः डॉ. वी. लक्ष्मणन., वैज्ञानिक-डी, एसबीजी]

अनुमोदित पायलट अध्ययन (केरेबों/बरहमपुर/आरसीएन 018) जिसका शीर्षक "शहतूत सादा मक्खी के पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन के लिए चेलोमेनस सेक्समेकुलैटस एवं क्राइसोपरलाजस्ट्रोई सिलेमी परभक्षी की जीवविज्ञान और शिकार प्रभावकारिता का अध्ययन" के वारे में पीआई को दिनांक 31.12.2020 को या उससे पहले अंतिम कॉपी जमा करने की और बीसीए के आधार पर सादा मक्खी प्रबंधन के लिए काम शुरू करने की सलाह दी गई थी।

नए अवधारणा नोट शीर्षक "शहतूत संरक्षण के लिए सामान्य रोगनिरोधी कवकनाशी और कीटनाशक के अनुप्रयोग का विकास," के संबंध में: पीआई को केन्द्रीय कार्यालय की स्वीकृति के लिए दिनांक 21.12.2020 को या उससे पहले पीएमसीई (केरेउअवप्रसं-बहरमपुर) को पूर्ण अवधारणा नोट (55 वें आरसी में सुझाव के अनुसार) प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी।

[कार्रवाई: डॉ. अनिल पप्पाचन, वैज्ञानिक-सी, शहतूत रोगनिदान]

नए अवधारणा नोट शीर्षक "पश्चिम बंगाल में शहतूत रेशमकीट एवं प्रमुख कृषि फसलों का तुलनात्मक अर्थशास्त्र (बीसीकेवी के साथ मिलकर)", के पीआई को केन्द्रीय कार्यालय की ईछछानुसार प्रश्नावली और डेटा संग्रह दिशानिर्देश तैयार करके जमा करने की सलाह दी गई थी।

[कार्रवाई: डॉ. मंजूनाथ जी. आर., वैज्ञानिक-सी, पीएमसीई]

"पूर्वी और उत्तर-पूर्व भारत के लिए उच्च उपज वाले शहतूत जीनोटाइप का एफवाईटी" के संबंध में: स्थिति की जाँच पीएमसीई द्वारा की जा सकती है।

[कार्रवाईः डॉ .के. सुरेश, वैज्ञानिक-सी, एमबीजी]

सम्पन्न परियोजना एआईबी-3619 के वारे में, मूल अन्वेषक को सलाह दी गई थी कि वह दिनांक **25.12.2020** को या उससे पहले आरएमआईएस -10 प्रारूप में निष्कर्षित रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

[कार्रवाईः डॉ .ए. के.वर्मा, वैज्ञानिक-डी, एसबीजी]

अवधारणा नोट शीर्षक "शहतूत पारिस्थिति की तंत्र में मिलीबग के प्रबंधन हेतु सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी" के संबंध में: पीआई को केन्द्रीय कार्यालय की स्वीकृति के लिए दिनांक 21.12.2020 को या उससे पहले पीएमसीई (केरेउअवप्रसं-बहरमपुर) को पूर्ण अवधारणा नोट (55 वें आरसी और नवंबर मासिक समीक्षा बैठक में दिए गए सुझाव के अनुसार) प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी।

[कार्रवाई: डॉ. अपर्णा के., वैज्ञानिक-बी, जैव-प्रौद्योगिकी]

अवधारणा नोट शीर्षक "रेशमकीट फेकुली का उपयोग कर बॉयोडायनेमिक तैयारी कों विकसित करने का प्रोटोटाइप" के संबंध में: पीआई को रेशम के कीड़ों के फेकुले से फार्मास्युटिकल ग्रेड ना-क्लोरोफिलिन और उप-उत्पाद (ओं) के लिए पायलट संयंत्र उत्पादन प्रणाली स्थापित करने के लिए अवधारणा नोट को तैयार करके केन्द्रीय कार्यालय की स्वीकृति के लिए दिनांक 21.12.2020 को या उससे पहले पीएमसीई (केरेउअवप्रसं-बहरमपुर) को अवधारणा नोट प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी। इसके अलावा, BIRAC से वित्तीय सहायता का पता लगाने की सलाह दी गई है।

[कार्रवाईः डॉ. वी.विजय, वैज्ञानिक-सी, मृदाविज्ञान]

वर्ष 2019-20 व वर्ष 2020-21 के दौरान सम्पन्न परियोजनाओं जैसे ARP-3590, PPS-3600, AIB-3616, PIB-3505, AIB-3617, AIB-3619, PIB- 3610, PIB-3576 के मूल अन्वेषकों को सलाह दी गई है कि वे अपने परियोजना परिणामों को समीक्षा के लिए प्राथमिकता के आधार पर पत्रिकाओं में प्रकाशित करें।

[कार्रवाईः डॉ. राहुल के., डॉ. वी.विजय, डॉ .ए. के.वर्मा, डॉ. वी. लक्ष्मणन.,डॉ .के. सुरेश]

मद सं. 3. संपन्न अनुसंधान पारियोजनाओं / गतिविधियों की समीक्षा

निम्नलिखित शोध परियोजनाओं / गतिविधियों जो इस अवधि के दौरान संपन्न हुई है, उस पर चर्चा की गई।

1. पायलट अध्ययन: पश्चिम बंगाल में इष्टतम रेशम उत्पादकता के लिए शहतूत फसल अनुसूची का विकास
सुझाव: मूल अन्वेषक को तार्किक निष्कर्ष के लिए डेटा प्राप्त करना हेतु जून 2021 तक अध्ययन जारी रखने की सलाह दी गई थी, क्योंकि वर्ष 2020 में मई फसल डेटा संतोषजनक नहीं था।

[कार्रवाईः डॉ .के. सुरेश, वैज्ञानिक-सी, एमबीजी]

मद संख्या. 4 ए: केरेबो से आर्थिक मदद के लिए नए अनुसंधान परियोजनाओं / अवधारणाओं का अनुमोदन

निम्नलिखित अवधारणाओं की आलोचनात्मक समीक्षा की गई। निर्णय इस प्रकार हैं:

1. शीर्षक: पश्चिम बंगाल में शहतूत रेशम मूल्य श्रृंखला की चुनौतियों और अवसरों पर विश्लेषण

अवलोकन / सुझाव : स्वीकृत; मूल अन्वेषक को सलाह दी गई थी कि वे निम्नलिखित सुझावों पर ध्यान दें और अगली मासिक बैठक में विचार के लिए प्राधिकारी को अवगत कराएं।

- समझने के लिए शीर्षक को अर्थपुर्न रूप से संशोधित करें
- शहतूत मूल्य श्रृंखला क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए नमूना आकार का निर्धारण उचित रूप से पीपीएस के आधार पर करें
- आईएसईसी-बेंगलुरु / आईसीआराईएसएटी-हैदराबाद / आईएआराअई-नई दिल्ली द्वारा आयोजित मूल्य श्रृंखला विश्लेषण पर अध्ययन का उल्लेख करें
- अध्ययन के लिए सभी प्रमुख रेशम उत्पादक जिलों को शामिल करना
- समस्या को परिभाषित करते समय प्रस्ताबना में संस्थान के पिछले अध्ययनों को उचित रूप से कवर करना चाहिए

[कार्रवाई: डॉ. पी नाईक, वैज्ञानिक-बी, प्रशिक्षण]

मद संख्या. 5: जारी परियोजनाओं /पॉयलटअध्ययन/ गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा:

मुख्य संस्थान में जारी परियोजनाओं / पॉयलट अध्ययनों / टीओटी / अन्य आर एंड डी गतिविधियों पर चर्चा किया गया और निम्नलिखित सुझाव दिया गया:

माइलस्टोन के अनुसार निम्नलिखित परियोजनाओं / गतिविधियों की प्रगति काअवलोकन किया गया:

पीआईई 02002 एसआई: लाल एवं लेटराइट मृदा के तहत शहतूत जीनोटाइप C-9 के प्रदर्शन का मूल्यांकन

पीआईबी 02007 एसआई: भारत के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में शहतूत के पत्तों की लंबी उम्र में सुधार

पीआईबी 3627: पॉलीक्लोनल बीज ऑर्चर्ड के माध्यम से बेहतर शहतूत के जीनोटाइप का विकास

पीआरपी 08002 एमआई: शहतूत में रोग प्रतिरोध प्रजनन में उपयोग करने के लिए उम्मीदवार जीन आधारित पाउडर फफूंदी प्रतिरोध की पहचान (एसबीआरएल-कोडाथी के सहयोग से]

एआईसीईएम-चरण IV

पीपीए 02005 एसआई: सिंचित स्थिति के तहत नव विकशित उच्च उपज वाली शहतूत किस्म सी-2038 के लिए रिक्ति और पोषक तत्वों की खुराक का अनुकूलन

पीआरपी 02003 एसआई: पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में शहतूत की मूल विगलन रोग के प्रबंधन पर अध्ययन

एआईवी 3602: एमएएस के माध्यम से तापमात्रा सहिष्णु द्विप्रज नस्ले / संकर रेशमकीट का विकास

एआईवी 01009 एमआई: व्यावसायिक प्रचलन के लिए प्राधिकरण स्तर के लिए किसानों के स्तर पर नई द्विप्रज डबल द्विप्रज, टीटी 21 xटीटी 56 का मूल्यांकन (केरेउअवप्रसं-मैसूर की परियोजना)

एआईबी 02006 एमआई: अस्तित्व और रेशम उत्पादकता के लिए निस्तारी लाइनों में सुधार

एआईई 06002 एमआई: चयनित हॉटस्पॉट्स (सीएसजीआरसी-होसुर की सहयोगी परियोजना) में अजैव तनाव के लिए सहिष्णुता के लिए द्विप्रज रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों का मूल्यांकन

एआईटी 02008 एसआई: पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत के लिए उच्च आर्द्रता सहिष्णु रेशमकीट नस्लों / संकरों की पहचान

एआईसी 02004 सीएन: आणविक लक्षण और रेशमकीट की फ्लैचरी रोग के विरुद्ध शहतूत की पत्ती से अलग किए गए कम आणविक भार पेप्टाइड्स की प्रभावकारिता का आकलन (यूएनबी सिलीगुड़ी के साथ सहयोगी परियोजना)

एआरपी 3630: नए कमरे और रेशमकीट विस्तर कीटाणुनाशकों का मूल्यांकन

एआईटी 08005 एमआई: मार्कर असिस्टेड प्रजनन लाइन्स-चरण II से विकसित बिडेनोवायरस प्रतिरोधी रेशम की कीड़ों का विकास और मूल्यांकन (एसबीआरएल- कोडाथी का सहयोगी परियोजना)

टीओटी / ओएफटी: जैव नियंत्रण एजेंट का द्रव्यमान गुणन और रखरखाव – किसानों के स्तर पर स्कैम्नसपल्लीडिक्लोली और इसका लोकप्रियकरण / बीसीए का प्रदर्शन

ओएफटी: नव अधिकृत शहतूत कि किस्म C-2038 का लोकप्रियकरण

ओएफटी: चेक के साथ बीएचपी डबल संकर का मूल्यांकन

ओएफटी: कॉलेप्सिबल प्लास्टिक माउंटेज और शूट फीडींग को लोकप्रिय बनाना

ओएफटी: चौकी पालन का लोकप्रियकरण

ओएसटी: जांच के साथ ताप-सहिष्णु डबल संकर का मूल्यांकन

ओएसटी: जांच के साथ उच्च उपज और जीवाणु पर्णचित्ती प्रतिरोधी उपजातियों का मूल्यांकन

ओएसटी: पर्यावरण के अनुकूल कीटाणुनाशक निर्मूल का मान्यता

ओएसटी: शहतूत के लिए कम लागत वाली ड्रिप फर्टिगेशन

एआईटी 08005 एमआई: मार्कर असिस्टेड प्रजनन लाइन्स-चरण II से विकसित बिडेनोवायरस प्रतिरोधी रेशम की कीड़ों का विकास और मूल्यांकन (एसबीआरएल- कोडाथी का सहयोगी परियोजना), पीआई को एसबीआरएल- कोडाठी

से अनुरोध किया गया था कि वह स्थानीय परिस्थितियों में मूल्यांकन के लिए सीएसआरटीआई-बेरहामपुर के बीएमडीएनवी 2 प्रतिरोध के लिए परियोजना के पहले चरण में पहचाने जाने वाले सजातीय नस्लों को भेजें। इसके अलावा, SBRL से प्राइमरों को इकट्ठा करने की सलाह दी।

[कार्रवाईः डॉ. राहुल के., वैज्ञानिक-सी, रेशमकीट संरक्षण]

ओएफटीः संशोधित चरखा (सुवर्णा) + सौरोनीर का प्रदर्शन, पीसीटी अनुभाग के वैज्ञानिक-डी श्री जी. मित्रा की सेवानिवृत्ति होने के कारण, डॉ. सुखब्रत सरकार, वैज्ञानिक-डी सेवानिवृत्त वैज्ञानिक / डॉ. सौरभ मजूमदार, वैज्ञानिक -डी (आरटीटीएस-मालदा) के साथ समन्वय में ओएफटी गतिविधि की निगरानी करेंगे।

[कार्रवाईः डॉ. एस. सरकार, वैज्ञानिक-डी, प्रशिक्षण]

सीपीपी सहित प्रशिक्षण और विस्तार गतिविधियां, प्रभारियों को सलाह दी गई कि वे कोविड-19 के रोक थाम से जुड़ी दिशा-निर्देशो का कड़ाई से अनुपालन करते हुए वर्ष 2020-21 के लिए संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को फरवरी 2021 तक प्राप्त करें। आरकेएम जैसे अधिक सामूहिक सभा गतिविधियों से बचने के लिए, भारत सरकार के आगे की दिशानिर्देशों तक ध्यान दिया जाना चाहिए। सीबीटी अनुभाग को वार्षिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अंतिम तिमाही के लिए कार्य योजना बनाने की सलाह दी जाती है।

[कार्रवाईः डॉ .एस.सरकार, वैज्ञानिक-डी, प्रशिक्षण व डॉ.टी.डी.बिश्वास, वैज्ञानिक-डी, सीईईएम]

मद संख्या. 5: गूगल मीट के माध्यम से आरएसआरएस की प्रगति की समीक्षा:
आरएसआरएस (कलिम्पोंग, कोरापुट और जोरहाट) में मुख्य संस्थान के साथ चल रही परियोजनाओं और अन्य आर एंड डी गतिविधियों की प्रगति पर चर्चा की गई और सुझाव हैं:

अवधारणा नोट शीर्षक, "कालिम्पोंग जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में किसानों की आजीविका सुरक्षा के लिए एकीकृत कृषिप्रणाली मॉडल के विकास" (केवीके के सहयोग से) से संबंध में: पीएमसीई के प्रभारी को पूर्ण अवधारणा नोट की जांच करने और आगे की कार्रवाई के लिए उसी को अंतिम रूप देने की सलाह दी गई।

[कार्रवाईः प्रभारी, पीएमसीई एवं डॉ. हरीशबाबू, वैज्ञानिक- बी, क्षेरेउअके, कलिम्पोंग]

ओडिशा में लंबे समय तक लार्वा की अवधि या गैर-बराबर लार्वा परिपक्वता के संबंध में, प्रभारी को नियमित रूप से सांपोर्न को स्प्रे करने का सुझाव दिया गया था।

[कार्रवाईः श्री खसरु आलम, वैज्ञानिक- बी, क्षेरेउअके, कोरापुट]

परियोजना (PRE02001SI): शहतूत के साथ गुलाबी मैली बग मैकोनेलीककोक्कस हार्सुटिउस (हरा) का प्रबंधन अवरोध प्रणाली को माइलस्टोन के अनुसार देखा गया ।

परियोजना (BPP 05014 CN): शहतूत से एक उपभोग्य पेय के प्रसंस्करण और उत्पादन का मानकीकरण ग्रीन टी के साथ पत्तियां और सम्मिश्रण (केरेवों-बेंगालुरु के साथ सह. परियोजना), मुल अन्वेषक को सहयोगी संस्थानों (एएऊ और टीटीआरआई - जोरहाट) की आवश्यकता के अनुसार शहतूत की पत्ती की आवश्यक मात्रा मे आपूर्ति करने का सुझाव दिया गया ।

[कार्रवाईः डॉ .कुमारेशन पी., वैज्ञानिक-सी, क्षेरेउअके, जोरहाट]

प्रमुख बिन्दुः

सभी चल रही परियोजना के सह-जांचकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अगली मासिक बैठक (जनवरी 2021) में संबंधित परियोजनाओं में उनके योगदान के परिणाम प्रस्तुत करें।

[संबंधित वैज्ञानिकों]

डॉ. वी. शिवप्रसाद ने अपने समापन भाषण में संस्थान और आरएसआरएस की प्रगति के बारे में वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। इसके अलावा, अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष्य ने वैज्ञानिकों को अपने क्षेत्र दौरे के दौरान किसानों / हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं पर ध्यान देने की और उसकी विचार-विमर्श के लिए अनुसंधान परिषद को पेश करने की सलाह दी।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

दिनांक: 10वीं दिसम्बर, 2020

(डॉ .वी.शिवप्रसाद)
निदेशक व अध्यक्ष
अनुसंधान परिषद
केरेउअवप्रसं– बहरमपुर

अनुलग्नक – I

केरेउअवप्रसं, बहरमपुर, पश्चिम बंगाल में दिनांक **08.12.2020** को आयोजित अनुसंधान परिषद की **56**वीं बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों की सूची

#	नाम	पदनाम	#
1.	डॉ. वी. शिवप्रसाद	निदेशक	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
2.	डॉ. टी. दत्ता (बिश्वास)	वैज्ञानिक-डी, विस्तार व प्रचार प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
3.	डॉ. एस. चट्टोपाध्याय	वैज्ञानिक-डी, जैव-प्रौद्योगिकी प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
4.	डॉ. अनिल कुमार वार्मा	वैज्ञानिक-डी, एसबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
5.	डॉ. दीपेश पंडित	वैज्ञानिक-डी, पीएमसीई प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
6.	डॉ. एस. सरकार	वैज्ञानिक-डी, प्रशिक्षण प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
7.	डॉ. मंजुनाथ, जी. आर.	वैज्ञानिक-सी, पीएमसीई प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
8.	डॉ. एन. चन्द्रकांत	वैज्ञानिक-सी, एसबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
9.	डॉ. वी. विजय	वैज्ञानिक-सी, सस्य व मृदाविज्ञान अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
10.	डॉ. आर. महेश	वैज्ञानिक-सी, सस्य व मृदाविज्ञान अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
11.	डॉ. शफी अफ़रोज	वैज्ञानिक-सी, विस्तार व प्रचार प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
12.	डॉ. पूजा माकवाना	वैज्ञानिक-सी, जैव-प्रौद्योगिकी प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
13.	डॉ. के. राहुल	वैज्ञानिक-सी, रेशमकीट रोगनिदान अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
14.	डॉ. अनिल पप्पाच्छन	वैज्ञानिक-बी, शहतूत रोगनिदान अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
15.	डॉ. मिहिर राभा	वैज्ञानिक-बी, रेशमकीट रोगनिदान अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
16.	डॉ. रविराज वी. एस.	वैज्ञानिक-बी, एसबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
17.	डॉ. थंगजम रंजीता देवी	वैज्ञानिक-बी, एसबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
18.	डॉ. दीपिका कुमार उमेश	वैज्ञानिक-बी, एमबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
19.	श्री याल्लापा हरिजन	वैज्ञानिक-बी, एमबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
20.	डॉ. अपर्णा के.	वैज्ञानिक-बी, जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
21.	डॉ. परमेश्वर नायक	वैज्ञानिक-बी, प्रशिक्षण प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
22.	सुश्री टी. सिरीषा	आशुलिपिक ग्रेड-II	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
गूगल के माध्यम से बैठक			
23.	श्री ज़ाकिर हुसेन	वैज्ञानिक-डी ; क्षेरेउअके-कलिम्पोंग	
24.	डॉ. पी. कुमारेशन	वैज्ञानिक-सी ; क्षेरेउअके-जोरहाट	
25.	डॉ. हरिश बाबु	वैज्ञानिक-बी ; क्षेरेउअके- कलिम्पोंग	
26.	श्री के. आलम	वैज्ञानिक-बी ; क्षेरेउअके-कोरापुट	